नवभारत टाइम्स

NBT Noida

गुरुवार, 4 सितंबर 2014

3 दिवसीय रिन्युअल एनर्जी इंडिया एक्सपो 2014 शुरू

लगा कंपनियों का मेला

■ वरिष्ठ संवाददाता, ग्रेटर नोएडा

इंडिया एक्सपो सेंटर एवं मार्ट में 3 दिवसीय रिन्युअल एनर्जी इंडिया एक्सपो 2014 बुधवार से शुरू हो गया। इसमें 35 देशों की करीब 500 कंपनियों ने अपने स्टॉल लगाए हैं। एक्सपो के पहले दिन यहां देश में बनी सबसे बड़ी विंड टरबाइन पीडब्ल्यू-100 का प्री-लॉन्च किया गया।

करीब 15 करोड़ रुपये कीमत वाली इस टरबाइन से 2.5 मेगावॉट बिजली पैदा होगी और अन्य सभी तरीकों से सस्ती यानि 3 रुपये प्रति यूनिट का खर्च आएगा। 2 माह में यह टरबाइन तमिलनाडु और महाराष्ट्र में लगाई जाएगी। पावर विंड लिमिटेड के एमडी राजकुमार यादव ने बताया कि टरबाइन के लिए करीब 200 किमी की रफ्तार हवाएं चलना जरूरी है। एनसीआर में यह उपयोगी साबित नहीं होगी। यूपी के पीलीभीत व नेपाल बॉर्डर के आसपास यह लग सकती है।

यहीं प्रदर्शनी के उद्घाटन के दौरान जापान के प्रतिनिधि मुनेहिको नुचिया ने कहा कि आर्थिक दृष्टि से भारत 2020 तक विश्व का तीसरा सबसे बड़ा बाजार होगा। यही वजह है कि इस प्रदर्शनी में सबसे अधिक जापान की 22 कंपनियां पहुंची हैं।

आयोजक कंपनी यूबीएम इंडिया के एमडी जीवी वार्ड ने कहा कि जापान, कनाडा, ब्रिटेन, इटली, यूएसए, ताईवान, बेल्जियम, चीन सहित 35 देशों की 500 से अधिक कंपनियों में गैर परंपरागत एनर्जी उत्पादन के मॉडल देखने को मिले। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जापान यात्रा के बाद जापानी कंपनियां रिन्युअल एनर्जी के क्षेत्र में अपना विस्तार भारत में करना चाह रही हैं। तभी इतनी बड़ी भागीदारी की गई है। प्रदर्शनी में सौर, पवन, बायो एनर्जी, स्मार्ट ग्रिड्स, ज्योथर्मल एवं ऊर्जा दक्षता क्षेत्रों में मौजूद अवसरों से लोगों को लाभान्वित होने का मौका मिलेगा। यहां सोलर प्लांट से लेकर विंड टरबाइन तक मौजूद हैं। इस दौरान विभिन्न ऊर्जा श्रेणियों पर सेमीनार भी चलती रहेंगी।

Anil

ग्रेनो के एक्सपो मार्ट में रिन्युअल एनर्जी एक्सपो में रखी है हवा से बिजली बनाने वाली मशीन

जॉब की संभावनाएं

देश में रिन्युअल एनर्जी एक्सपो में रोजगार की संभावनाएं भी हैं। यहां स्टार्ट-अप पविलियन तैयार किया गया है। जिसके माध्यम से उभरते उद्यमियों को सीमित बजट में अपने कारोबार के निर्णय के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा। भारत 'भारतीय ऊर्जा सुरक्षा परिवेश-2047' की मेजबानी भी कर रहा है।

मोदी का असर

आयोजकों का कहना है कि जब से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ऊर्जा उत्पादन के लिए रिनेबल एनर्जी (अक्षय ऊर्जा) पर बल देने की बात कही तभी से निजी कंपनियां अपना भविष्य तलाशने लगी हैं। विदेशों से भी भारत में कंपनियां आने को तैयार हो रही हैं। इसी को देखते हुए इस बार बड़ी संख्या में कंपनियां आई हैं।